

तारीख
हुक्म

31 01 22

उपस्थित
अनुसार
10 3 22

10-3-22

पलायनी पेशा उड़ी वकील वारी क वारीगम
को एग-एग रुक-रुक कर डायोस वगैर
गई। परतु इतने में नापालक वगैरि मय
तक जोर भी उपस्थित वही उकरी कर; परत
वारीगम इतक वारी इतक परती के वारी
विया पाताले पलायनी के मल सुमा होश
दफ नामा के कर हो एड वगैर वकरी
इतिहास वकरी हो।

जज (मज.)